ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 06-02-2026

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-02-06 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-02-07	2026-02-08	2026-02-09	2026-02-10	2026-02-11
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	18.0	18.0	18.0	17.0	19.0
न्यूनतम तापमान(से.)	5.0	5.0	5.0	6.0	5.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	71	72	73	68	63
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	29	28	29	35	28
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	7	7	6	8
पवन दिशा (डिग्री)	29	28	29	32	31
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	2	3	3	2
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आगामी सप्ताह में बारिश की कोई संभावना नहीं है और न ही कोई चेतावनी जारी की गई है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17.0 से 19.0 डिग्री सेल्सियस और 5.0 से 6.0 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। हवा पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, पश्चिम-उत्तर और उत्तर-पश्चिम दिशा से 6-8 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। आगामी सप्ताह के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

इस सप्ताह के लिए कोई मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कोई महत्वपूर्ण प्रभाव या परामर्श जारी नहीं किया जाएगा।

सामान्य सलाहकार:

मौसम का पूर्वानुमान "मौसम ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट किया जाता है और मौसम संबंधी कृषि-मौसम विज्ञान संबंधी सलाह "मेघदूत ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट की जाती है। बिजली गिरने की जानकारी के लिए "दामिनी ऐप" उपलब्ध है। मौसम, मेघदूत और दामिनी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किए जा सकते हैं। 6 से 12 फरवरी तक के विस्तारित पूर्वानुमान के

अनुसार, बारिश में भारी कमी की संभावना है, अधिकतम तापमान सामान्य रहेगा और न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहेगा।

लघु संदेश सलाहकार:

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, आगामी सप्ताह के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, इसलिए फसलों की सिंचाई केवल आवश्यकता पड़ने पर ही की जानी चाहिए और रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग आगामी सप्ताह में

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मसूर की दाल	फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। यदि पौधों में सड़न हो जाए तो कार्बेन्डाज़िम 50% डब्ल्यूपी जैसे फफूंदनाशक का प्रयोग 2-3 ग्राम/लीटर की दर से मिट्टी में किया जाना चाहिए।
रेपसीड	फसल की महत्वपूर्ण अवस्थाओं में आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए। रोग नियंत्रण के उपाय निर्धारित समय पर किए जाने चाहिए। अल्टरनेरिया ब्लाइट की स्थिति में, मैनकोजेब 75% का छिड़काव 2 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए, जबकि रतुआ रोग की स्थिति में, मेटालेक्सिल 35 डब्लूएस/रिडोमिल एम्ज़ 72 का छिड़काव 2.5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए।
सरसों	फसल की महत्वपूर्ण अवस्थाओं में आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए। रोग नियंत्रण के उपाय निर्धारित समय पर किए जाने चाहिए। अल्टरनेरिया ब्लाइट की स्थिति में, मैनकोजेब 75% का छिड़काव 2 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए, जबकि रतुआ रोग की स्थिति में, मेटालेक्सिल 35 डब्लूएस/रिडोमिल एम्ज़ 72 का छिड़काव 2.5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए।
गेहूँ	खरपतवार और रोग की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और उसके अनुसार नियंत्रण उपाय किए जाने चाहिए। आवश्यकतानुसार फसल की सिंचाई करें और यूरिया का प्रयोग करें।
जौ	खरपतवार और रोग की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और उसके अनुसार नियंत्रण उपाय किए जाने चाहिए। आवश्यकतानुसार फसल की सिंचाई करें और यूरिया का प्रयोग करें।
गन्ना	फसल की कटाई 16-18% ब्रिक्स मान पर की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज के पौधों की वृद्धि के दौरान मिट्टी में नमी की आवश्यकता के अनुसार सिंचाई की जानी चाहिए और नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए।
सब्जी पीईए	आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए नियमित निगरानी और नियंत्रण उपाय किए जाने चाहिए।
शिमला मिर्च	बीज की बुवाई तैयार नर्सरी में करनी चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए।
सेब	सेब और बीज वाले फलों में फल सड़न रोग को नियंत्रित करने के लिए, तने के आसपास की मिट्टी को हटा देना चाहिए ताकि सूर्य की किरणें सीधे प्रभावित पेड़ के तने तक पहुँच सकें। प्रभावित छाल को हटा देना चाहिए और चौबाटिआ का पेस्ट मिट्टी के साथ लगा देना चाहिए। किसी भी प्रकार की खेती संबंधी गतिविधियों को मौसम पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित करना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए, उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ाएँ। पशुओं को अजवाइन और गुड़ भी दें। पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए, उनके लिए उचित बाड़ा बनाएँ। पशुओं को शीतला

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
	रोग से बचाने के लिए उनका टीकाकरण करें। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा करने के लिए उनके चारे में 10% की वृद्धि करें।
गाय	पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए, उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ाएँ। पशुओं को अजवाइन और गुड़ भी दें। पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए, उनके लिए उचित बाड़ा बनाएँ। पशुओं को शीतला रोग से बचाने के लिए उनका टीकाकरण करें। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा करने के लिए उनके चारे में 10% की वृद्धि करें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	पशुचिकित्सक के निर्देशानुसार, आहार में कवक की वृद्धि के कारण होने वाले एफ्लाटॉक्सियोसिस के लिए दवा दी जानी चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई खास असर नहीं ।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई सलाह नहीं।

Farmers are advised to download Unified ﷺMausamﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details